राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

नये भारत में वैज्ञानिक ज्ञान और तकनीकी योग्यता की महत्ता काफी बढ़ गयी है–राज्यपाल

पटना, 19 अप्रैल 2019

''नये भारत में वैज्ञानिक ज्ञान और तकनीकी योग्यता की महत्ता काफी बढ़ गई है। हमारी पुरानी ज्ञान–सम्पदा भी काफी महत्वपूर्ण रही है। चिकित्सा शास्त्र, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, अर्थशास्त्र, गणित, राजनीति एवं नीति शास्त्र आदि समस्त ज्ञान–विज्ञान के विषयों में हमारी प्राचीन विरासत अत्यन्त समृद्ध रही है। बिहार की भूमि पर भी ज्ञान, कला, दर्शन एवं चिन्तन की कई प्रमुख धाराओं का उद्‌भव हुआ है, जिनकी वजह से पूरे विश्व में प्रदेश एवं राष्ट्र की मर्यादा एवं प्रतिष्ठा बढ़ी है।'' उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने नेताजी सुभाष इन्स्टीच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अमहरा, बिहटा के सभागार में आयोजित इस संस्थान के वार्षिक तकनीकी, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा महोत्सव –'क्रस्ट–2019' (KRUST-2019) का औपचारिक उद्‌घाटन करते हुए व्यक्त किये।

उक्त आयोजन में संस्थान के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभ्यागतों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आज राज्य में उच्च शिक्षा क्षेत्र में तेजी से सुधार हो रहे हैं। काफी संख्या में विद्यार्थी महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों में नामांकित होकर अध्ययन कर रहे हैं। आज शिक्षक कक्षाओं में नियमित रूप से अध्यापन करते हैं, समय पर कक्षाएँ होती हैं, परीक्षाएँ होती हैं और परीक्षाफल भी प्रकाशित होते हैं। राज्यपाल ने कहा कि अब विश्वविद्यालयों में समय पर दीक्षांत–समारोह आयोजित कर डिग्रियाँ भी वितरित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि 'उच्च शिक्षा का ब्लू प्रिन्ट' तैयार हो रहा है, जिसमें लघुकालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक (5 वर्षों हेतु) योजनाएँ समाहित कर उच्च शिक्षा के समग्र विकास हेतु सार्थक प्रयास किए जाएँगे।

राज्यपाल ने कहा कि आज का युग ऐसा है, जिसमें कौशल–उन्नयन के जरिये युवा काफी बेहतर रूप में अपने भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ सरकारों के भरोसे सबकुछ नहीं हो सकता। अपनी हूनरमंदी के बल पर ही युवा अपना एवं अपने राष्ट्र का बहुमुखी विकास कर सकते हैं।

श्री टंडन ने कहा कि भारत एक युवा राष्ट्र है। यहाँ की 60 प्रतिशत से अधिक आबादी युवाओं की है, जो अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर एक नये सशक्त और श्रेष्ठ भारत का नवनिर्माण कर रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक युवक एक ऐसी मानव–संपदा के रूप में अपने को विकसित करे कि उसे रोजगार या नौकरी माँगने किसी दूसरे के दरवाजे नहीं जाना पड़े। आज युवा को रोजगार–याचक नहीं बल्कि रोजगार–प्रदाता के रूप में अपने को राष्ट्र के समक्ष प्रस्तुत करना जरूरी है।

आगे पृष्ठ...2 पर

राज्यपाल ने कहा कि उच्च शिक्षा में बराबर शोध–कार्यों की महत्ता रही है। आज राज्य में हमें ऐसी उच्च शिक्षा का विकास करना है, जहाँ वैज्ञानिक और तकनीकी ज्ञान की महत्ता हो, साथ ही शोध–कार्यों पर भी पूरा ध्यान दिया जाता हो।

राज्यपाल ने कहा कि तकनीकी विकास के साथ–साथ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विकास भी जरूरी है, जो भारत की मूल भावधारा से जुड़ी बात है। राज्यपाल ने युवा विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ''स्वाभिमानी युवा बनो, सतत् नये सृजन के लिए संकल्पित युवा बनो। बराबर जिन्दगी में कुछ नया सकारात्मक रचते और गढ़ते रहने का प्रयास करो।''

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आर्यभट्ट विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ॰ प्रो॰ अरूण कुमार अग्रवाल ने कहा कि पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ–साथ, सांस्कृतिक और क्रीड़ा आदि गतिविधियों से जुड़कर विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्होंने कहा कि एन॰एस॰आई॰टी॰ उनके विश्वविद्यालय का एक प्रतिष्ठित संस्थान है।

कार्यक्रम में संस्था की उपलब्धियों के बारे में संस्थान के सदस्य–सचिव श्री एम॰एम॰ सिंह ने बताया। कार्यक्रम में धन्यवाद–ज्ञापन डॉ॰ शिवजी सिंह ने किया। राज्यपाल ने कार्यक्रम में श्रेष्ठ प्रदर्शन करनेवाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया। समारोह में संस्थान के अध्यक्ष डॉ॰ एम॰पी॰ त्रिपाठी एवं संरक्षक श्री टी॰एन॰ सिंह सहित कई गणमान्य जन आदि उपस्थित थे।

.....